पूर्वोत्तर सृजन पत्रिका : विशेषज्ञों द्वारा समीक्षित अर्धवार्षिक हिंदी ई-पत्रिका
वर्ष :1, संख्या :1; जुलाई-दिसंबर, 2020

भूटिया लोक गीत

डॉ. सोनम ओंग्मू भूटिया

भूटिया जनजाति अपनी जन्मभूमि सिक्किम को 'डेन्जोंग' कहते हैं। उनकी इसमें गहरी आस्था है कि इस भूमि को देवी-देवताओं और गुरु पद्मसंभव का आशीर्वाद प्राप्त है। भूटिया के लिए सिक्किम की धरती स्वर्गीय आभा से युक्त है। भूटिया लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी होते हैं। वे 'डेन्जोंग' को पवित्र तीर्थ के साथ संपन्न भूमि के रूप में देखते हैं। सम्पूर्ण लोक गीत में डेन्जोंग की समृद्धि और उसकी धार्मिक आस्था का परिचय मिलता है। सिक्किम की पवित्र भूमि सभी के लिए आकर्षण का केंद्र होता है और जो इस स्थान में आता है, उसे बड़ा अपनत्व मिलता है। इसी भाव भूमि पर केंद्रित लोक गीत प्रस्तुत हैं।

मूल

"डेन्जोंग ने ना"

डेन्जोंग ने ना ज्युखें किनेचु जम्बो ङा चाचु
ल नेवो ना
ने ना ठीने नेगो साछिनो ज्म्बो ङा चा
साथा ग्योंने गों
साला नाम्पु दमसू जेने योंटिंगला कापु छेसु
चुकने यों
साफख्यादोकरदेन सु तिंग ने यों
दफख्या दोकर ङा सु चुकने यों
थों दी छुंगो खम्सुं काने यों
थों दी छिवाग्याश्यो डी ने यों।

गेंछे सुर जे डम ने तेनरो नो
गेंछे सुर जे डम गेजेखाछुंग

सेरगि गमो तेन रो नौ
सेरगि गमो जेखा छुंग
ङि की ङि तिंग दिन सा तेनरो नौं
ङि की ङि तिंगजेखा छुंग
थाम छे सेर कि पुति तेन रो नौं
थाम छे सेर कि पुती जेखा छुंग
सेर कि कुसुंग थुंते तेन रो नो।
सेर कि कुसुंग थुंतेजेखा छुंग
राफ्सेल सिलिंग बाब्जा तेन रो नौ
राफ्सेल सिलिंग बाब्जा जेखा छुंग
उचि सेर कि गेनजिल तेन रो नौं।
उचि सेर कि गेनजिललेखा जुंग।

अनुवाद

धान की घाटी अर्थात् सिक्किम तीर्थ में

सिक्किम तीर्थ में रहने वाले युवा हमें रहने को आवास दें
हम इस तीर्थ के दर्शन हेतु सुदूरवर्ती इलाकों से आये हैं,
कृपया अपना द्वार खोलें।
काली मिट्टी को नापते,खेत और बादलों से पूछते हम आये हैं।
उस काली मिट्टी को बिछौना बनाकर हम आये हैं।
पत्थर के तकिये पर सोते हम आये हैं।
छोटे मैदान में तेज कदम बढ़ाते हम आये हैं।
विराट मैदान को पार कर हम आये हैं
उसकी व्यापकता कभी ख़त्म न होने वाली काग़ज की बंडल समान है.
अष्टकोण वाले विशेष मठ का हमें दर्शन दें,
अष्टकोण वाले विशेष मठ का दर्शन मिला।
सोने के दरवाजे का दर्शन दें,
सोने के दरवाजे का दर्शन मिला।
चांदी के सप्त प्याले का दर्शन दें,
चांदी के सप्त प्याले का दर्शन मिला।
गौतम बुद्ध द्वारा लिखे ग्रन्थों का दर्शन दें,
गौतम बुद्ध द्वारा लिखे ग्रंथों का दर्शन मिला।
सोने की त्रिमूर्ति (गुरु पद्म संभव, बुद्ध,लोकेश्वरी) का दर्शन दें,
सोने की त्रिमूर्ति का दर्शन मिला।
मठ की खिड़की का दर्शन दें,
मठ की खिड़की का दर्शन मिला।
मठ के शिखर पर अवस्थित सोने की कलश का दर्शन दें,
मठ के शिखर पर सोने की कलश का दर्शन मिला।

'लु खों ठा मु' (गीत का घर)

भूटिया जाति में शादी-ब्याह,तीज-त्योहार और सांस्कृतिक उत्सव के अवसर पर सर्वप्रथम इस गीत को गाने का रिवाज है इसके पश्चात् फिर अवसर की मांग के अनुरूप अन्य गीत गाये जाते हैं। इस गीत के माध्यम से भूटिया अपने देवी-देवताओं का स्मरण करते हैं, इस दौरान वे सभी की मंगल-कामना करते हुए स्वर्ग, पृथ्वी और नागलोक के देवताओं की पूजा अर्चना करते हैं और उनसे आशीर्वाद लेते हैं।

मूल

लु खों ठामु डिंग जे लु खों ठामु जें ये
जेम्बे लु खों ठामुतेन छो लाहला जें ये
रिमो फारि लाक ले फालो चिक तोक ये
रिमो छुरी लॉक ले सुलो चिक तोक ये
फालो सुलो डीकति लाफ्सों चिक ताँ ये
लाफ्सों कारपि ग्योंडातेन तेन छो लाह लाँ
फुल ये
लाह ग्या छॉठापा ग्याजिन सोंग गि छेपा
जे ना
लाह टूक बुंम गि कोर दी लु यि गोमा छि
ना।
लु खों ठामु मिज़िंग लु खों ठामु
जें ये
जेम्बे लु खों ठामु फार्छो चेन
जें ये
जेम्बे लु खों ठामु होक्छो लु ल
जें ये।

अनुवाद

कीर्तन-घर का निर्माण नहीं होता ?
कीर्तन-घर का निर्माण किया गया है।
कीर्तन-घर का निर्माण स्वर्ग में हुआ है।
देवी घर से बाहर जाते सुगन्धित पौधा काट लेती है।
देवी घर में 'सुको' सुगन्धित पौधा लेकर आती है।
दोनों सुगन्धित धूप मिला कर हवन करते हैं।
दूर से हवन की सुगंध भेज कर देवताओं की प्रार्थना करते हैं।
सभी देवी देवता से अनुरोध है कि धूप, हवन को स्वीकार करें
देवताओं के लाखों शिष्यों आपसे अनुरोध करते हैं कि गीत के द्वार खोल दें

कीर्तन-घर का निर्माण नहीं होता,इसका निर्माण किया गया है।

कीर्तन-घर का निर्माण पृथ्वी पर हुआ है

कीर्तन-घर का निर्माण नहीं होता,

कीर्तन-घर का निर्माण किया गया है

कीर्तन-घर का निर्माण नाग लोक में हुआ है।

संपर्क सूत्र:

पी जी टी, हिंदी फोदोंग